

॥ १३७ ॥      ॥ ५४ ॥      महाति ॥ १ ॥ २ ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥ ६ ॥ सागरोत्तरः महत्तरः ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥ १० ॥